आत्मनिर्भरता व लोकल उत्पादों का उत्सव बनेगा स्वदेशी मेला : सचान

कहा- सभी 75 जिलों में 9 से 18 अक्तूबर तक होगा आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राज्य सरकार ने स्वदेशी उत्पादों को नई पहचान दिलाने की तैयारी तेज कर दी है। इस क्रम में प्रदेश के सभी 75 जिलों में 9 से 18 अक्तूबर तक स्वदेशी मेले लगेंगे।

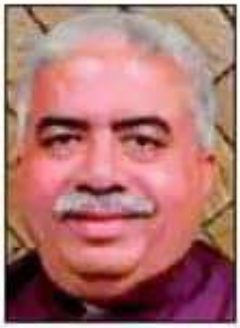

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने कहा कि इसका उद्देश्य स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, बुनकरों और स्वयं सहायता समूहों को बाजार से सीधे जोड़ना और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

लोकभवन में बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सचान ने कहा कि यह सिर्फ व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का उत्सव है जिसमें शासन, प्रशासन और जनता तीनों की सहभागिता होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले में उद्योग विभाग, खादी ग्रामोद्योग, हथकरघा-वस्त्रोद्योग, माटीकला बोर्ड, रेशम उद्योग विभागों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

ग्रामीण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनाओं पर भी विशेष फोकस होगा। साथ ही स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करेंगी।

मेले में प्रदेश की कला, संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिलेगी। संस्कृति विभाग के सहयोग से लोक संगीत, नृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों का आयोजन होगा। युवक मंगल दल, नेहरू युवा केंद्र और शैक्षणिक संस्थान सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन करेंगे।

उन्होंने कहा, यह आयोजन हाल ही में संपन्न यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) की ऐतिहासिक सफलता के बाद किया जा रहा है। ट्रेड शो में 2200 से अधिक स्टॉल लगे थे। इसमें 80 देशों से 500 से अधिक विदेशी खरीदार भी पहुंचे थे।

उद्यमियों व कारीगरों को निशुल्क मिलेंगे स्टॉल

सचान ने बताया कि जिलों में मेले का शुभारंभ संबंधित प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधि करेंगे। छोटे उद्यमियों और कारीगरों को मेले में निशुल्क स्टॉल दिए जाएंगे ताकि वे सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ सकें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि दिवाली पर वे स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।